भारत सरकार
भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 893
06.02.2026 को उत्तर के लिए नियत

भारी उद्योग क्षेत्र में सुधारों के लिए वैश्विक साझेदारी

893 **श्रीमती संगीता यादव:**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या मंत्रालय ने भारी उद्योग, विनिर्माण और औद्योगिक प्रौद्योगिकी में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने के लिए विदेशी सरकारों अथवा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) भारत के भारी उद्योग से जुड़े विधानों, सेवाओं और क्षेत्रीय शासन के आधुनिकीकरण के लिए क्या सुधार कार्य किए गए हैं;
(ग) क्या औद्योगिक उत्पादन और निर्यात को सुदृढ़ करने के लिए प्रौद्योगिकीय या परिचालन संबंधी सुधारों पर विचार किया गया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) भारी उद्योग के क्षेत्र में डिजिटलीकरण, हरित विनिर्माण और नवाचार को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
भारी उद्योग राज्य मंत्री
(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): जी हाँ। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने जापानी विनिर्माताओं के साथ भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योग के क्षेत्रीय दायरे का पता लगाने के लिए, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी (आईजेआईसीपी) के तहत उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों में सहयोग के संबंध में, जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय (एमईटीआई) के साथ बातचीत की है।

(ख): शून्य ।

(ग): जी हाँ । प्रौद्योगिकीय विकास को बढ़ावा देने और पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में देश में ही विनिर्माण को बढ़ाने के लिए, ताकि औद्योगिक उत्पादन और निर्यात को मज़बूत किया जा सके, भारी उद्योग मंत्रालय "भारतीय पूंजीगत वस्तु क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मकता संवर्धन स्कीम- चरण II" कार्यान्वित कर रहा है। इस स्कीम के तहत, अब तक 891.37 करोड़ रुपये की परियोजना लागत और 714.64 करोड़ रुपये के सरकारी योगदान वाली 29 परियोजनाएं मंज़ूर की गई हैं।

(घ): इस स्कीम के तहत, भारी उद्योग मंत्रालय ने भारी उद्योग क्षेत्र में डिजिटलीकरण को मज़बूत करने के लिए 4 स्मार्ट उन्नत विनिर्माण और द्रुत रूपांतरण हब **(समर्थ)** केंद्र बनाए गए हैं। ये केंद्र हैं- सेंटर फॉर इंडस्ट्री 4.0 (C4i4) लैब पुणे; आईआईटीडी-एआईए फाउंडेशन फॉर स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, आईआईटी दिल्ली; I-4.0 इंडिया @ आईआईएससी, बेंगलुरु; और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग डेमो एंड डेवलपमेंट सेल, सीएमटीआई, बेंगलुरु।

******